केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

https://kvsangathan.nic.in/ | @KVSHQ | @KVS_HQ | @kvshqr | KVS HQ

वर्ष-1, अंक- 1

संस्करण: जुलाई-2025

एक नये अध्याय की ओर!

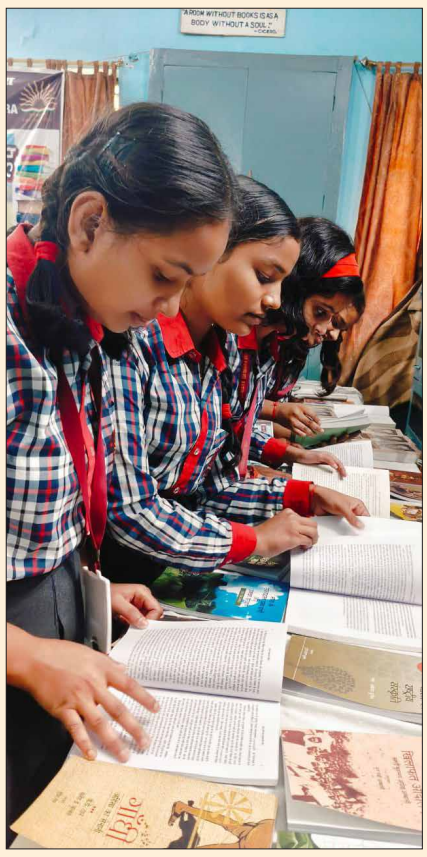

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के मासिक बुलेटिन 'केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल' का पहला अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह प्रयास हमारे देश-विदेश में फैले केन्द्रीय विद्यालयों की अभिव्यक्ति और आपसी जुड़ाव को पोषित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस क्रॉनिकल के प्रत्येक कॉलम, फीचर और फोटोग्राफ के माध्यम से हम अपने विद्यालयों की उपलब्धियों का उत्सव मनाने, आयोजनों का विश्लेषण करने तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों के दृष्टिकोण को साझा करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे न केवल हमें जानकारी मिलेगी, अपितु आपसी जुड़ाव भी बढ़ेगा और हम एक-दूसरे को सशक्त बनाएंगे।

हमारी मंशा है कि हर माह हम आपके समक्ष 'टीम के.वि.सं.' की वह आवाज़ प्रस्तुत करें, जो प्रेरणा दे, उपलब्धियों पर गर्व करने का अवसर प्रदान करे और ऐसे विचार साझा करे जो हमें आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करें- ताकि हमारा केन्द्रीय विद्यालय परिवार और अधिक जीवंत और सहभागी बन सके। इससे बेहतर आरंभ क्या हो सकता है कि हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की उस पांच वर्ष की यात्रा पर एक दृष्टि डालें, जिसने हमारी शैक्षिक संरचना को नए सिरे से गढ़ा है। बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करने से लेकर कक्षाओं में दक्षता आधारित शिक्षण को एकीकृत करने तक, डिजिटल और कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने से लेकर खेल, कला, संस्कृति और जीवन मूल्यों के माध्यम से समग्र विकास को प्रोत्साहित करने तक, शिक्षकों को नवाचारी शिक्षण विधियों को अपनाने हेतु प्रेरित करने से लेकर निरंतर क्षमता विकास कार्यक्रमों के आयोजन तक- केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

सबसे परिवर्तनकारी कदमों में से एक रहा है हमारे विद्यालयों में 'बालवाटिकाओं' की चरणबद्ध शुरुआत, जो औपचारिक स्कूली शिक्षा प्रारंभ होने से पूर्व खेलों और गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देती हैं। 'विद्या प्रवेश' मॉड्यूल इस दिशा में एक और सशक्त पहल है, जो कक्षा एक में आनंददायक और संरचित रूप से विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करता है, ताकि शिक्षा की मजबूत नींव रखी जा सके। 'निपुण भारत मिशन' के अंतर्गत के.वि.सं. ने बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को प्राथमिकता दी है, जहां रुचिकर शिक्षण विधियों के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को सशक्त किया जा रहा है, और सतत अवलोकन एवं मूल्यांकन द्वारा विद्यार्थियों की प्रगति को दिशा प्रदान की जा रही है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने सभी कक्षाओं में दक्षता आधारित शिक्षण और मूल्यांकन को अपनाया है, जिससे रटने की प्रवृत्ति से हटकर समझ पर आधारित शिक्षण को बढ़ावा मिल रहा है।

माध्यमिक स्तर पर, पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से परिचय कराया जा रहा है, वहीं 'बैग रहित दिवस' उन्हें व्यावहारिक अनुभवों और जीवनोपयोगी कौशलों से संपन्न करते हैं। अनुभवात्मक शिक्षण की भावना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, जहां विद्यार्थी अटल टिंकरिंग लैब्स, प्रयास (युवा और प्रतिभाशाली छात्रों में अनुसंधान प्रवृत्ति को बढ़ावा देने की पहल) जैसी गतिविधियों के माध्यम से सीखते हैं, खोज करते हैं, प्रयोग करते हैं और नवाचार करते हैं। इसके साथ ही युविका, इंस्पायर अवॉर्ड्स-मानक जैसे कार्यक्रमों में सहभागिता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे विद्यार्थियों की जिज्ञासा और रचनात्मकता को नई ऊर्जा मिली है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने डिजिटल पहलों को अपनाते हुए अधिकांश कक्षाओं को स्मार्ट क्लासरूम से सुसज्जित किया है, जिससे शिक्षण कार्य अधिक रोचक और सार्थक बन रहा है। संगठन में जहां समावेशिता सदैव प्राथमिकता रही है, वहीं शिक्षकों की क्षमतावर्धन पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। विषय विशेषज्ञों और नॉलेज पार्टनर्स की मदद से हर शिक्षक के लिए 50 घंटे का सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को प्रोत्साहित करता है। अब जबकि अधिकांश केन्द्रीय विद्यालय पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय के रूप में रूपांतरित हो चुके हैं, प्रयास यह है कि इन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आदर्श विद्यालयों के रूप में विकसित किया जाए- जहां नवाचार, समावेशन, उत्कृष्टता और 'भारतीयता' का समन्वय दैनिक शिक्षण प्रक्रिया में प्रत्यक्ष नजर आए।

जैसे-जैसे हम अपनी इस यात्रा में आगे बढ़ेंगे, यह ई-मासिक बुलेटिन हमारे विद्यालयों को एक ऐसा मंच प्रदान करने का प्रयास करेगी, जहां वे उत्कृष्टता की दिशा में किए जा रहे हमारे सामूहिक प्रयासों का उत्सव मना सकें और उन्हें और अधिक सशक्त बना सकें। यह मासिक बुलेटिन हमारे सभी विद्यालयों की भावना, शिक्षण परंपराओं और सार्थक पहलों का प्रतिबिंब बने- यही हमारी कामना है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

~निधि पांडेय
आयुक्त

जब ठीक से पढ़ेंगे, तभी आगे बढ़ेंगे

एआई की मदद से केन्द्रीय विद्यालयों ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड
सात लाख से अधिक विद्यार्थियों का ओरल प्रोफिशिएंसी टेस्ट

आर.सेंथिल कुमार
उपायुक्त, भोपाल संभाग

देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में 14 फरवरी से 6 मार्च 2025 के बीच कक्षा 3 से 8 तक के 7.13 लाख विद्यार्थियों का ओरल प्रोफिशिएंसी टेस्ट (मौखिक दक्षता परीक्षण) TARA (Teacher's Assistant for Reading Assessment) ऐप के माध्यम से करते हुए एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया गया। यह ऐप विद्यार्थियों के पढ़ने की श्रमता को दर्ज करता है, उनके उच्चारण, प्रवाह, उतार-चढ़ाव (मॉडुलेशन), और समझ को विश्लेषित करता है तथा उनके पठन कौशल का स्पष्ट मूल्यांकन प्रदान करता है।

प्रत्येक विद्यार्थी को एक व्यक्तिगत रिपोर्ट कार्ड दिया जाता है, जिसमें प्रति मिनट सही शब्द, त्रुटियाँ, छूटे हुए शब्द, रुकावटें और सुधार के सुझाव के साथ-साथ ऑडियो क्लिप्स भी शामिल होती हैं। विद्यार्थियों को उनकी पठन क्षमता के आधार पर चार स्तरों में वर्गीकृत किया जाता है और उन्हें क्यूआर कोड आधारित अभ्यास सामग्री भी दी जाती है ताकि वे लक्षित रूप से अभ्यास कर सकें।

पढ़ना एक बुनियादी कौशल है, जो सभी विषयों में सीखने का आधार बनता है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन सदैव से पढ़ने को बढ़ावा देता रहा है, परंतु प्रत्येक छात्र का व्यक्तिगत मूल्यांकन करना चुनौतीपूर्ण था। इस चुनौती से पार पाने के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने आईआईटी मुंबई के साथ मिलकर तारा ऐप विकसित किया, जिससे बड़े स्तर पर प्रभावी पठन मूल्यांकन और सहयोग संभव हो सका।

प्रभावी पठन से शब्दावली, आत्मविश्वास और समझ विकसित होती है-जो अकादमिक सफलता और दक्षता आधारित मूल्यांकन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। तारा ऐप प्रयोग में सहज है, और उसके प्रयोग से यह सिद्ध हुआ है कि शिक्षक आसानी से विद्यार्थियों की रिकॉर्डिंग कर अपलोड कर सकते हैं।

जैसा कहा जाता है कि- "जिसे मापा नहीं जा सकता, उसे सुधारा नहीं जा सकता।" तारा ऐप विद्यार्थियों, शिक्षकों और शैक्षिक प्रशासकों को विस्तृत विश्लेषण प्रदान करता है, जिससे कक्षा, विद्यालय, क्षेत्र और राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति की निगरानी संभव होती है। यह अंतर्दृष्टि भाषा अधिगम में केन्द्रित सुधार को दिशा देती है।

तारा ऐप ने लाखों विद्यार्थियों को मार्गदर्शित पठन सुधार की प्रक्रिया में शामिल कर, केन्द्रीय विद्यालय संगठन में आत्मविश्वासी नन्हें पाठकों की एक शांत लेकिन क्रांतिकारी लहर शुरू की है। निरंतर अभ्यास और उपयोग के साथ, यह पहल दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ने की क्षमता रखती है।

सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को पढ़ने और बढ़ने की आनंददायक यात्रा के लिए शुभकामनाएँ!

के.वि.सं. उपायुक्त सम्मेलन

शैक्षिक उत्कृष्टता हेतु एक मंथन मंच

बी.के. बेहरा
उपायुक्त (शै.), के.वि.सं. मुख्यालय

केन्द्रीय विद्यालय संगठन का उपायुक्त सम्मेलन एक अत्यंत महत्वपूर्ण वार्षिक मंच है, जो देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में शैक्षणिक नेतृत्व, सहयोग एवं नवाचार को प्रोत्साहित करता है। समीक्षा, विश्लेषण, क्रियान्वयन और सशक्तिकरण जैसे मूल सिद्धांतों पर आधारित यह सम्मेलन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखाओं (एनसीएफ) में वर्णित राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप शैक्षणिक योजना को दिशा देता है।

यह सम्मेलन पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान कक्षाओं में शिक्षण और विद्यार्थियों की अधिगम उपलब्धियों की समीक्षा करने का मंच प्रदान करता है। साथ ही यह वर्तमान सत्र के लिए लक्ष्य निर्धारण, रणनीतियों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों पर चर्चा कर शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए रूपरेखा तैयार करता है।

इस वर्ष के सम्मेलन में बोर्ड और अन्य कक्षाओं में शैक्षणिक परिणामों पर विशेष ध्यान दिया गया। कक्षा 3, 5 और 8 के लिए आयोजित Learner's Achievement Test (LAT) के निष्कर्षों की समीक्षा की गई। साथ ही कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों में पठन प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल की शुरुआत की गई Oral Reading Fluency (ORF) कार्यक्रम, जिसे आईआईटी मुंबई के सहयोग से विकसित किया गया है। यह कार्यक्रम अंग्रेज़ी और हिंदी में पठन कौशल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।

सम्मेलन के माध्यम से सभी उपायुक्तों और उनकी शैक्षणिक टीम को नीतिगत जानकारी, उपयोगी उपकरण, और नवाचार साझा करने का मंच प्रदान किया गया, जिससे वे विद्यालयों को मार्गदर्शन देने और शिक्षकों का सहयोग करने में और अधिक सशक्त हो सकें। यह सम्मेलन शिक्षकों की स्वतंत्रता, सहायक हस्तक्षेप (Remedial Intervention), और विद्यालय स्तर पर किए गए नवाचारों को मान्यता देकर समावेशी एवं न्यायसंगत शिक्षा को सुनिश्चित करता है।

यह सम्मेलन आईआईटी मुंबई परिसर में आयोजित किया गया, जहां स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव, शिक्षा मंत्रालय श्री संजय कुमार ने उपायुक्तों से संवाद किया और केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा देशभर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अब तक की प्रगति की सराहना करते हुए के.वि.सं. को भविष्य में शैक्षणिक उत्कृष्टता के और ऊँचे आयाम छूने के लिए प्रोत्साहित किया।

एक पेड़ माँ के नाम 2.0

देश भर के विद्यालयों में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य

नई दिल्ली, 5 जून: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मा. शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय गोल मार्केट में पौधारोपण कर 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान का देशव्यापी शुभारंभ किया। इस अभियान के अंतर्गत पूरे देश के स्कूलों में 10 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर एक समर्पित माइक्रोसाइट और ईको क्लब पोर्टल का भी उद्घाटन किया गया, जो देशभर के 14 लाख से अधिक विद्यालयों में हरित पहलों की निगरानी करेगा। यह अभियान भारत के 2070 तक नेट ज़ीरो मिशन को मजबूती प्रदान करता है।

ग्रीष्मकालीन अवकाश में शैक्षणिक पहल

पीएम श्री के.वि. नरेला का अनुकरणीय प्रयास

ग्रीष्मावकाश बना शैक्षणिक बूस्टर
प्राचार्य ने पढ़ाया भौतिकी का 60% पाठ्यक्रम

नीरज कुमार त्यागी
प्राचार्य, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, नरेला

एक शैक्षणिक संस्थान का नेतृत्व केवल प्रशासनिक दायित्व ही नहीं होता, बल्कि उसमें निजी भागीदारी और कर्तव्यनिष्ठ समर्पण भी निहित होता है। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, नरेला के प्रधानाचार्य के रूप में मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा में सच्चा नेतृत्व तभी संभव है, जब नेतृत्वकर्ता स्वयं सहभागी बने।

इसी भावना के साथ हमने सत्र 2025-26 की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों को कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सुदृढ़ीकरण के अवसर में बदल दिया। पढ़ाई को लेकर विद्यार्थियों की अप्रमाणिक स्रोतों पर निर्भरता को देखकर मैं काफी चिंतित था। मैंने स्वयं प्रतिदिन 1 से 2 विषयों की नियमित कक्षाएँ लेकर उनकी वास्तविक शैक्षणिक आवश्यकताओं को समझना प्रारंभ किया। शिक्षकों और अभिभावकों के भरपूर सहयोग से हमने प्रमुख विषयों पर केंद्रित ग्रीष्मकालीन शैक्षणिक कक्षाओं की शुरुआत की। मैंने स्वयं भौतिकी की 60 प्रतिशत पाठ्यपुस्तक को पढ़ाया, जिसमें अधिक व्हेटेज वाले विषयों और बोर्ड स्तर के महत्वपूर्ण प्रश्नों को विस्तारपूर्वक समझाया गया। हमारी वरिष्ठ अध्यापिका श्रीमती रेनू भाटी (पीजीटी, रसायन शास्त्र) ने भी इस पहल में स्वेच्छा से योगदान दिया। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण अध्यायों को पढ़ाया और विद्यार्थियों का संभावित परीक्षा प्रश्नों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस पहल को विशेष बनाने वाला तत्व था सामूहिक सहभागिता का भाव। विद्यालय के लगभग 90 प्रतिशत विद्यार्थी इन सत्रों में नियमित उपस्थिति रहे। छुट्टियों के बावजूद अनुशासन, उत्साह और समर्पण उल्लेखनीय रहा। निरंतर मेंटरिंग और प्रेरणा ने छात्रों के आत्मविश्वास और अधिगम प्रेरणा को प्रबल किया।

यह पहल केन्द्रीय विद्यालय संगठन के मूल्यों और सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब थी। यह मेरे लिए एक गौरवपूर्ण स्मृति थी, जो यह दर्शाती है कि जब शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक एकजुट होते हैं, तब अवकाश का समय भी सफलता की सीढ़ी बन सकता है।

क्योंकि हर पाठ है जरूरी

उद्देश्य, जुनून और सफलता की यात्रा

रविन्द्र भट्ट
पीजीटी भौतिकी, पीएम श्री के.वि. क्र. 2, एसवीएन, विशाखापत्तनम

गर्व और कृतज्ञता का भाव लेकर मैं अपनी सेवा के पहले पूर्ण शैक्षणिक वर्ष की एक उल्लेखनीय उपलब्धि साझा कर रहा हूँ, जिसमें मैंने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2, एसवीएन, विशाखापत्तनम में पीजीटी (भौतिकी) के रूप में 100 प्रतिशत उत्तीर्णता और 80.59 प्रतिशत का प्रदर्शन सूचकांक (पीआई) प्राप्त किया।

नवंबर 2023 में प्रत्यक्ष भर्ती के माध्यम से नियुक्त होने के बाद मैंने इस भूमिका को एक गंभीर शैक्षणिक दायित्व और सार्थक सेवा के रूप में लिया। पहले दिन से ही मेरा उद्देश्य रहा कि हर विद्यार्थी तक व्यक्तिगत शैक्षणिक सहयोग पहुँचे और जटिल अवधारणाओं को जीवन के अनुभवों से जोड़कर उन्हें समझना सरल बनाया जाए। मैंने पुनरावृत्ति और समृद्ध कक्षाओं का आयोजन किया, विद्यालय के बाद भी विद्यार्थियों की शंकाओं के समाधान हेतु उपलब्ध रहने का प्रयास किया और यह सुनिश्चित किया कि विद्यार्थी भावनात्मक और शैक्षणिक रूप से समर्थित महसूस करें।

मैंने तेज़ी से प्रगति करने वाले विद्यार्थियों को क्रिटिकल थिंकिंग कार्यों के माध्यम से चुनौती दी और धीमी गति से सीखने वाले विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास और प्रेरणा द्वारा ऊपर उठाया। तकनीकी संसाधनों और डिजिटल टूल्स का उपयोग कर जटिल विषयों को सरल और रोचक बनाया। साथ ही, के.वि.सं. के क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद द्वारा जारी 20 मॉडल पेपर्स का भी सभी विद्यार्थियों से अभ्यास कराया।

अभिभावकों की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया, विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए जिन्हें अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता थी। मेरी सभी शिक्षण रणनीतियाँ क्षेत्रीय कार्यालय और विद्यालय नेतृत्व की शैक्षणिक दृष्टि से पूरी तरह समन्वित रहीं। कक्षा एक ऐसा स्थान बन गई, जहाँ लगातार सहभागिता, देखभाल और उच्च अपेक्षाएँ स्वाभाविक बन गईं।

इस यात्रा का परिणाम केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं था, बल्कि यह विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और सीखने के प्रति दृष्टिकोण में एक दृश्य परिवर्तन भी था। इस अनुभव ने मेरी यह धारणा और सुदृढ़ कर दी कि- लगातार प्रयास, सहानुभूति और सहयोग से असाधारण परिणाम संभव हो सकता है।

मेरे लिए के.वि. केवल एक कार्यस्थल नहीं, बल्कि एक मिशन है- जिससे मैं हृदय और उद्देश्य के साथ जुड़ा हूँ और सदैव जुड़ा रहूँगा।

(प्रदर्शन सूचकांक (PI) एक ऐसा मानक है जो उत्तीर्ण प्रतिशत एवं विद्यार्थियों के समग्र प्रदर्शन की गुणवत्ता—दोनों को दर्शाता है।)

प्रगति की ओर के.वि. एनएचपीसी चमेरा-2

नामांकन पुनरुद्धार और परिवर्तन की प्रेरणादायक कहानी

हरजीत राज
प्राचार्य, के.वि. एनएचपीसी चमेरा-2

जब मैंने 29 सितंबर 2023 को केन्द्रीय विद्यालय एनएचपीसी चमेरा-2 के प्राचार्य के रूप में कार्यभार संभाला, तब विद्यालय में संभावनाओं की भरपूर गुंजाइश थी, लेकिन साथ ही कुछ तात्कालिक चुनौतियाँ भी थीं। चंबा की पहाड़ियों में स्थित इस विद्यालय को सशक्त दिशा, बेहतर आधारभूत संरचना, और स्थानीय समुदाय के साथ गहरे जुड़ाव की आवश्यकता थी- विशेषकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए।

सहयोग और अपनेपन की भावना को प्रोत्साहन

हमने शुरुआत टीम भावना को बढ़ावा देने और साझा निर्णय प्रक्रिया की संस्कृति विकसित करने से की। नियमित स्टाफ मीटिंग्स और खुली संवाद शैली में प्रत्येक कर्मचारी को निर्णयों में भागीदार बनाया। विद्यालय नेतृत्व ने भागीदारी आधारित प्रशासन को एनईपी-2020 की भावना के अनुरूप आगे बढ़ाया।

बुनियादी ढाँचे के पुनरोद्धार में एनएचपीसी का सहयोग

एनएचपीसी के निरंतर सहयोग से विद्यालय में कई सुधार कार्य किए गए- कक्षाओं का नवीनीकरण, स्वच्छता सुविधाओं का उन्नयन, परिसर के सौंदर्यीकरण जैसे प्रयासों ने न केवल मनःस्थिति को सकारात्मक किया, बल्कि अभिभावकों की नज़र में भी विद्यालय की छवि में सकारात्मक बदलाव आया।

नामांकन में प्रभावशाली वृद्धि

हमारी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रही- विद्यार्थी नामांकन में आ रही गिरावट को रोककर उसे उछाल की ओर ले जाना। विशेष विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक और एनएचपीसी व स्थानीय परिवारों के साथ सतत संवाद से विद्यालय के प्रति नए दृष्टिकोण और भरोसे का पुनर्निर्माण किया गया। परिणामस्वरूप, नामांकन में 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। करियर परामर्श सत्रों की शुरुआत भी की गई ताकि एनईपी 2020 के अनुरूप समग्र विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए 'स्पेशल माइंड्स, यूनीक पाथ' नाम से एक पहल शुरु की गई, जिसके अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले 28 बच्चों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी और उपयुक्त सहयोग सुनिश्चित किए गए। एनएचपीसी द्वारा समर्थित एक मोबाइल वैन, विशेषज्ञों के साथ सप्ताह में दो बार विद्यालय आती है। इनमें से 25 विद्यार्थियों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई, जो समावेशी और संरचित सहयोग की सफलता को दर्शाता है।

खेल, स्वास्थ्य और स्वच्छता को प्राथमिकता

भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद, विद्यालय में क्रिकेट नेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन कोर्ट और इनडोर गेम्स की सुविधाएँ विकसित की गईं। "डस्टबिन-फ्री क्लासरूम" अभियान की शुरुआत की गई। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता के प्रति बढ़ावा दिया गया।

बुनियादी वर्षों को सशक्त बनाना

विद्यालय की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि गुरुग्राम संभाग में यह पहला प्रोजेक्ट विद्यालय बना, जहां तीनों बालवाटिका कक्षाओं की शुरुआत की गई। यह पहल एनईपी की मूलभूत अधिगम की दृष्टि के साथ पूर्णतः समन्वित थी।

के.वि. एनएचपीसी चमेरा-2 का यह रूपांतरण इस बात का सजीव प्रमाण है कि दृढ़ नेतृत्व, टीम भावना और सामुदायिक सहभागिता से सब कुछ संभव है। बढ़ा हुआ नामांकन, समावेशी शिक्षा की प्रभावशीलता, और विद्यार्थियों की सफलता केवल उपलब्धियाँ नहीं हैं- बल्कि ये उस विद्यालय की पहचान हैं जो उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

सफलता की कहानी

केन्द्रीय विद्यालय से रैंक 36 तक: मेरी नीट-2025 की यात्रा

मुक्तेश तन्मय
विद्यार्थी, पीएम श्री के.वि. गोमतीनगर, लखनऊ

मैं पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, गोमतीनगर, लखनऊ में कक्षा 12 (विज्ञान संकाय, सत्र 2024-25) का विद्यार्थी हूँ। मैंने नीट यूजी 2025 में ऑल इंडिया रैंक 36 (सामान्य वर्ग रैंक 28) प्राप्त की, उत्तर प्रदेश टॉपर रहा और कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।मेरे पिता श्री संजय कुमार पीएम श्री के.वि. ओईएफ हज़रतपुर के प्रधानाचार्य हैं और मेरी माता श्रीमती निर्मला मिश्रा एक गृहिणी हैं। के.वि. गोमतीनगर का अनुशासित और समृद्ध शैक्षणिक वातावरण मेरी तैयारी की रीढ़ रहा। शिक्षकों ने कक्षा 11 और 12 के दौरान न केवल नियमित मार्गदर्शन दिया, बल्कि भावनात्मक सहयोग भी प्रदान किया। नियमित मूल्यांकन, स्वतः अध्ययन की आदत और समस्या-समाधान पर केंद्रित अभ्यास मेरी सफलता के प्रमुख स्तंभ रहे।

तैयारी का तरीका

मेरी तैयारी की रणनीति एनसीईआरटी पुस्तकों, पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों और मॉक टेस्ट पर आधारित थी। मैंने रटने की बजाय अवधारणात्मक स्पष्टता को प्राथमिकता दी। नित्य पुनरावृत्ति, त्रुटि विश्लेषण, और सुनियोजित समय प्रबंधन ने मुझे लगातार राह पर बनाए रखा।

चुनौतियों से सामना

नीट और बोर्ड परीक्षाओं की एक साथ तैयारी करना कठिन था। समय का प्रबंधन और दबाव से निपटना आसान नहीं था। छोटे-छोटे ब्रेक, आत्म-विश्वास और परिवार व शिक्षकों से मिले प्रोत्साहन के कारण मैं ये उपलब्धि हासिल कर पाया हूं।

परीक्षा के बाद

मेरे मन में आत्मविश्वास था, पर टॉप-50 रैंक की उम्मीद नहीं थी। जब मेरा परिणाम सामने आया और उसमें मेरी रैंक 36 आई तो वह क्षण मेरे लिए अविश्वसनीय और खुशी से भरा था।

भावी प्रतिभागियों के लिए सलाह

- एनसीईआरटी को आधार बनाएं और नियमित पुनरावृत्ति करें
- मॉक टेस्ट दें और अपनी गलतियों का विश्लेषण करें
- लगातार मेहनत और प्रयास करें तथा शांत रहें
- पूछने में कभी संकोच न करें
- अपनी तैयारी पर विश्वास रखें और सकारात्मक रहें

मैं, अपने विद्यालय, शिक्षकों, प्रधानाचार्य और केन्द्रीय विद्यालय संगठन का आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने मेरी सफलता की मजबूत नींव रखी। के.वि.सं. ने मुझे सदैव बढ़ने के लिए आवश्यक स्थान और साथ दिया।

पुस्तकायन

श्री संजय कुमार द्वारा पुस्तक विमोचन

मुंबई, 2 जून: मुंबई में आयोजित के.वि.सं. के 12वें वार्षिक उपायुक्त सम्मेलन में सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय श्री संजय कुमार द्वारा केन्द्रीय विद्यालय संगठन की प्रशिक्षण शाखा द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'पुस्तकायन' का विमोचन किया गया। यह पुस्तक केन्द्रीय विद्यालयों में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने की श्रेष्ठ पहलों पर आधारित है।

स्पेशल स्टोरी

ईच-वन-रीच-वन

विद्यार्थियों के जीवन में परिवर्तन लाता गुवाहटी संभाग का मेंटरशिप कार्यक्रम

2,000 से अधिक विद्यार्थियों को मिली आत्मविश्वास और सफलता की राह
देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों के लिए गुवाहटी संभाग की प्रेरणादायक पहल

चंद्रशेखर आज़ाद
उपायुक्त, गुवाहटी संभाग

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के गुवाहटी संभाग ने एक परिवर्तनकारी मेंटरशिप पहल की शुरुआत की है, जो छात्रों के लिए एक नई राह खोल रही है। इस पहल का उद्देश्य उन छात्रों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है, जिन्हें किसी न किसी कारण से पढ़ाई में समस्या आ रही है।

'ईच-वन-रीच-वन' नामक यह कार्यक्रम कोई साधारण मेंटरशिप योजना नहीं है, बल्कि यह एक उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम है। इसमें बालवाटिका से लेकर कक्षा 12वीं तक के उन विद्यार्थियों की पहचान की जाती है, जो अकादमिक कठिनाइयों, भावनात्मक तनाव या व्यवहारिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस पहल के तहत प्रत्येक विद्यार्थी के साथ व्यक्तिगत रूप से एक शिक्षक या प्रधानाचार्य को बतौर मेंटर जोड़ा जाता है।

विद्यार्थियों के लिए उम्मीद की किरण

इस पहल के साथ ऐसे बच्चों को जोड़ा गया है, जिन्हें अक्सर अपेक्षा से कम प्रदर्शन करने वाला समझा जाता था। कुछ कक्षा की भीड़ में खो गए थे, तो कुछ को असावधान, विघ्नकारी या उदासीन का लेबल दे दिया गया था। इनमें से कई विद्यार्थी असफलता के भय, घरेलू समस्याओं, भावनात्मक असुरक्षा या प्रेरणा की कमी से भी ग्रसित थे। कुछ खुद को अकेला महसूस करते थे, तो कुछ घबराहट या पैनिक अटैक्स से जूझ रहे थे। बच्चों के इन अदृश्य संघर्षों को पहचानते हुए, के.वि.सं. के गुवाहटी संभाग ने एक संवेदनशील पहचान प्रक्रिया अपनाई। जिन छात्रों में अकादमिक गिरावट, व्यवहारिक परिवर्तन या भावनात्मक दूरी के लक्षण दिखे, उन्हें 'ईच-वन-रीच-वन' की देखभाल की परिधि में लाया गया।

जीवन में नया मोड़ लाने वाली पहल

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में, के.वि,सं. के गुवाहटी संभाग में कुल 41,541 नामांकित छात्रों में से 2,026 (लगभग 5%) छात्रों को इस विशेष मेंटरशिप के लिए चुना गया। इन छात्रों को शिक्षकों/प्रधानाचार्यों से सजीव और भावनात्मक सहयोग मिला-ऐसा सहयोग जिसमें हर बच्चा अपने आप को मूल्यवान महसूस करे। नियमित फोन कॉल, कक्षा में निगरानी, प्रेरणादायी सत्र, यहां तक कि घर पर जाकर मुलाकात के ज़रिये मेंटर्स ने देखभाल और स्थिरता का एक ताना-बाना बुना। हर बच्चे को यह अहसास दिलाया गया की वे मूल्यवान हैं और अपनी मेहनत व लगन से सफलता की ऊंचाईयों को छू सकते हैं।

चुनौतियों को आत्मविश्वास में बदलना

मेंटरशिप पाने वाला विद्यार्थियों में आम समस्याएं थीं-
कम शैक्षणिक प्रदर्शन, परीक्षा का भय, कम आत्म-सम्मान, साथियों का दबाव और भावनात्मक अलगाव।

इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें क्या लाभ हुए-

- सीखने की कमी को दूर करने में सहायता
- संप्रेषण कौशल और वैचारिक स्पष्टता विकसित करने में मदद
- छोटे लेकिन प्राप्त करने योग्य लक्ष्यों को तय करने के लिए प्रोत्साहन
- भावनात्मक संबल और सकारात्मक सुदृढ़ीकरण (सशक्तिकरण)
- प्रेम, प्रकाश और जुड़ाव का संबंध

इसका प्रभाव अत्यंत गहरा रहा। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों में यह पहल शैक्षणिक सुधार, व्यवहार में बदलाव और कक्षा में सहभागिता के आधार पर 99.9% सफलता दर के साथ प्रभावी सिद्ध हुई है।

राष्ट्रीय स्तर पर प्रेरणा बनी पहल

यह पहल जो पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से शुरू हुई, अब देशभर के कई अन्य केन्द्रीय विद्यालयों को भी प्रेरित कर रही है। के.वि.सं. के बाकी संभाग भी इसे एक संवेदनशील और व्यावहारिक मॉडल के रूप में देख रहे हैं।

वास्तविक कहानियां, वास्तविक बदलाव

कक्षा 8 के एक विद्यार्थी ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि ''जब मैं दो विषयों में फेल हो गया था तो मैंने खुद को लगभग खो दिया था, लेकिन मेरे मेंटर ने मुझ पर भरोसा नहीं खोया। मैंने फिर से कोशिश करना शुरू किया क्योंकि कोई मुझ पर विश्वास कर रहा था।''

गुवाहटी संभाग की एक प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका (अंग्रेजी) ने विद्यार्थियों के साथ बिताये अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि "इस कार्यक्रम ने मुझे सिखाया कि हर संघर्षरत बच्चे के पीछे एक कहानी होती है- और कभी-कभी, एक सरल बातचीत भी बदलाव की शुरुआत बन सकती है।"

मार्गदर्शकों का मार्गदर्शन

मार्गदर्शकों का सही दिशा में मार्गदर्शन सुनिश्चित करने हेतु गुवाहाटी क्षेत्र ने "मेंटर्स ऑफ मेंटर्स" पहल की शुरुआत की है। यह एक सहायक प्रणाली है, जिसके अंतर्गत शिक्षकों को SMART (Specific, Measurable, Achievable, Realistic, Time-bound) लक्ष्यों, सहानुभूति और नियमित प्रगति समीक्षा के साथ प्रभावी मेंटरिंग के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

समावेशी शिक्षा का नया अध्याय

'ईच-वन-रीच-वन' हमें यह याद दिलाता है कि शिक्षा केवल परिणामों तक सीमित नहीं होती- यह संबंधों की प्रक्रिया है। जब संघर्षरत विद्यार्थी को मार्गदर्शन मिलता है तो न सिर्फ बच्चे के जीवन में परिवर्तन आता है अपितु इससे उसे आज के शैक्षणिक परिदृश्य को सीखने, नेतृत्व करने और देखभाल करने के मायनों की भी नई परिभाषा मिलती है।

क्योंकि कई बार, सिर्फ एक व्यक्ति के विश्वास, जुड़ाव और देखभाल से- एक जीवन हमेशा के लिए बदल सकता है।

नवीनतम प्रकाशन

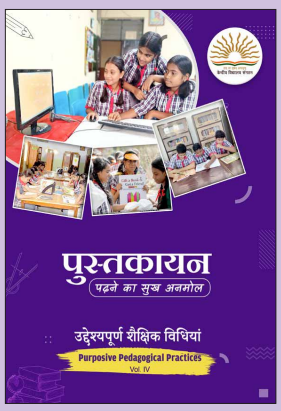

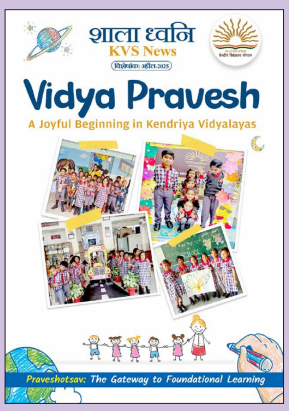

पढ़ने के लिए स्कैन करें!

माह का वीडियो

देखने के लिए स्कैन करें!

पीएम श्री गतिविधियों पर विशेष वीडियो

के.वि.सं. में योग दिवस

देखने के लिए स्कैन करें!

केन्द्रीय विद्यालयों में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

विचारणीय विचार

तुम जिस चीज पर भी कहते हो, सोचेंगे; जरा गौर करना, तुम टाल रहे हो।

~ओशो

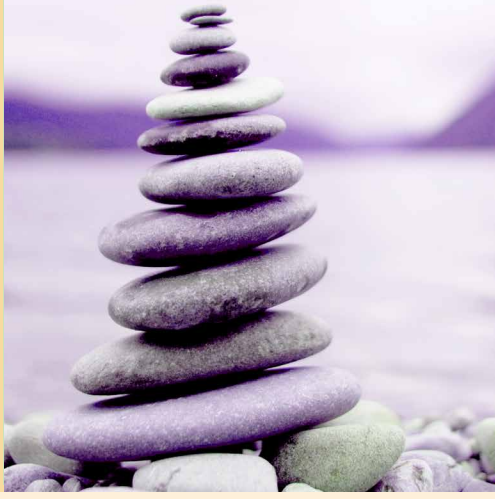

केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल

संस्करण: जुलाई-2025

जून 2025 की झलकियाँ

देश भर के केन्द्रीय विद्यालयों में योग महोत्सव

नई दिल्ली, 21 जून: 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' थीम पर 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत सामूहिक योगाभ्यास आयोजित किया गया। के.वि.सं. की आयुक्त श्रीमती निधि पाण्डे और संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों ने दिल्ली के पीएम श्री के.वि. सेक्टर 12, द्वारका में विद्यार्थियों के साथ योग किया। विद्यर्थियों को संबोधित करते हुए श्रीमती पाण्डे ने विद्यार्थियों को योग को जीवनशैली में शामिल करने की प्रेरणा दी।

के.वि. बून्दी को मिला नया कैम्पस, दोगुने विद्यार्थी पढ़ सकेंगे

बून्दी 17 जून: मा. लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने केन्द्रीय विद्यालय बून्दी के नए भवन का उद्घाटन किया। इसी के साथ अब तक पुराने अस्थायी भवन में संचालित हो रहे विद्यालय को अब अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त नया परिसर मिल गया है। अस्थायी भवन में जहां 400 छात्र पढ़ते थे, अब स्थायी परिसर में 900 से अधिक छात्रों के नामांकन की क्षमता होगी।

बिजनौर को नए केन्द्रीय विद्यालय की सौगात

बिजनौर, 21 जून: केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी ने उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में केन्द्रीय विद्यालय के अस्थायी भवन का उद्घाटन किया और स्थायी भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर शिलान्यास किया। बिजनौर में के.वि. खुलने से न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मार्ग प्रशस्त होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को इससे राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर भी मिलेगा।

पीएम श्री के.वि. आईएनएस हमला में सचिव श्री संजय कुमार का दौरा

मुंबई, 2 जून: स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय के सचिव श्री संजय कुमार ने पीएम श्री के.वि. आईएनएस हमला का दौरा किया। उन्होंने पीएम श्री योजना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर के.वि.सं. की सराहना की। उनके स्वागत में विद्यालय के छात्रों ने रचनात्मक कव्वाली के जरिए पीएम श्री योजना की विशेषताओं को प्रस्तुत किया। साथ ही, विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई नवाचारों पर आधारित प्रदर्शनी को भी सभी ने सराहा।

'फुटबॉल फॉर स्कूल्स' कार्यक्रम का शुभारंभ

कोलकाता, 29 जून: केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कोलकाता स्थित पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय फोर्ट विलियम में 'फुटबॉल फॉर स्कूल्स (F4S)' पहल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कोलकाता के 349 स्कूलों को 2,487 फीफा फुटबॉल वितरित की गईं। यह वितरण समस्त पश्चिम बंगाल में अभियान का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत 88,113 फुटबॉल वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत पीएम श्री के.वि. फोर्ट विलियम और बिड़ला हाई स्कूल के बीच प्रतीकात्मक फुटबॉल मैच का आयोजन हुआ, जिसमें केन्द्रीय विद्यालय फोर्ट विलियम विजेता रहा।

भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविरः विविधता में एकता की मिसाल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में 7 दिवसीय भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया। देश भर के विद्यालयों के लिए इस पहल का उद्घाटन मा. शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा किया गया था। गर्मियों की छुट्टियों में आयोजित इस शिविर में विद्यार्थियों ने अपनी मातृभाषा के अतिरिक्त एक अन्य भारतीय भाषा जैसे हिन्दी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, गुजराती, उड़िया, पंजाबी, बांग्ला आदि का अध्ययन किया। साथ ही उन्होंने संबंधित भाषा की संस्कृति, साहित्य, व्यंजन, लोकपरंपराओं और इतिहास को भी जाना। भाषा विशेषज्ञों की मदद से छात्रों ने लिपि, व्याकरण और उच्चारण सीखे, जिससे उनका संवाद व लेखन कौशल विकसित हुआ।

संस्कृत प्रवाह

हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये॥

अर्थ

"हे पोषक सूर्यदेव! सत्य का मुख स्वर्णमय आवरण से ढका हुआ है; सत्यधर्म की प्राप्ति के लिये उस आवरण को हटा दें।"

चमकते सितारे

मॉस्को में चमके विहान

केन्द्रीय विद्यालय जालोर के विहान राज सक्सेना ने वुशु में उत्कृष्ट प्रदर्शन और अद्वितीय कौशल का परिचय देते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने ये पदक अंतर्राष्ट्रीय मास्को वुशु स्टार चौम्पियनशिप में जीता।

दिव्याना का मलेशिया के लिए चयन

गुवाहटी संभाग के पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय खानापारा की छात्रा दिव्याना डोरोथी हालोई ने देहरादून में आयोजित चौथी राष्ट्रीय कैडेट एंड जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इस उपलब्धि के उपरांत उनका चयन मलेशिया में आयोजित होने जा रही अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

एशियाई प्रतियोगिता के लिए प्राची का चयन

केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी गुवाहटी की कक्षा 12वीं की छात्रा प्राची सरकार ने देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अब वह मलेशिया में होने वाली एशियाई प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

ओडिशा टीम की कप्तान बनीं अनन्या

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2, सीआरपीएफ भुवनेश्वर की अनन्या स्वैन का ओडिशा राज्य की अंडर-18 (बालिका) कबड्डी टीम की कप्तान के रूप में चयन।

IESO-2025 के लिए अपम का चयन

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 जयपुर के विद्यार्थी अपम निधी को भारत का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त हुआ। अपम निधी पाण्डे चीन में आयोजित होने जा रही 18वीं अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड-2025 (IESO) में भारतीय टीम के सदस्य होंगे।

अक्षरा के 576 सूर्यनमस्कार

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित 'सूर्यनमस्कार मैराथन-2025' में पीएम श्री के.वि. छत्रपति संभाजीनगर कैंट की विद्यार्थी अक्षरा बालासाहेब काले ने 576 सूर्यनमस्कार पूरे कर 'चौम्पियन ऑफ चौम्पियंस' खिताब अपने नाम किया। ₹21,000 की पुरस्कार राशि जीती और उनके नाम की संस्तुति गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए की गई।

नवनी ने लगाए 257 पौधे

पीएम श्री के.वि. अनंतपुर की विद्यार्थी एस. नवनी ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को एक प्रेरणादायक मिशन में बदल दिया। महज 9 साल की उम्र में उन्होंने अपने खर्च पर 257 पौधे लगाए और 2500 से अधिक पौधे आम लोगों में वितरित किए।

जापान में कृपाली सुनील

15 से 21 जून 2025 तक आयोजित हुए सकुरा साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम (SSHP) के लिए पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, पय्यानूर (एर्नाकुलम) की मेधावी छात्रा कृपाली सुनील का चयन हुआ। इस कार्यक्रम में कृपाली ने INSPIRE-MANAK योजना के अंतर्गत भाग लिया था।

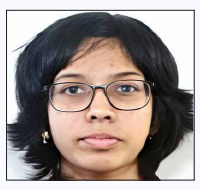

असमी को मिला रूस का टिकट

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, आईआईटी पवई की मेधावी छात्रा असमी इनामदार को रूस के सोची में आयोजित होने जा रहे अंतरराष्ट्रीय जूनियर विज्ञान ओलंपियाड-2025 में भारतीय प्रतिनिधि दल के लिए चयनित किया गया है।

पारदिशा को चित्रकारी में प्रथम स्थान

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में त्रिपुरा में आयोजित राज्य स्तरीय चित्रकारी प्रतियोगिता में के.वि. बीएसएफ, गोकुलनगर की प्रतिभाशाली छात्रा पारदिशा सरकार ने रचनात्मकता और पर्यावरण जागरूकता को कलात्मक अभिव्यक्ति देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कलम की शक्ति

यूपीयू-2025 पत्र लेखन प्रतियोगिता में पीएम श्री के.वि. क्र. 2, सीआरपीएफ भुवनेश्वर के कृष्णेंदु ने प्रथम स्थान प्राप्त कर ₹25,000 का पुरस्कार जीता, जबकि पीएम श्री के.वि. आईएनएस चिल्का की संजुश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त कर ₹5,000 का पुरस्कार अर्जित किया।

भोपाल के.वि. को 'हरित विद्यालय' सम्मान

पीएम श्री के.वि. क्र. 2 भोपाल को राज्य स्तरीय 'हरित विद्यालय सम्मान' से अलंकृत किया गया। मा. मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने विद्यालय को पर्यावरण संरक्षण, जागरुकता और नवाचारपूर्ण गतिविधियों के लिए ₹50,000/- की प्रोत्साहन राशि, चांदी का स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया।

संरक्षक: निधि पाण्डे, आयुक्त, के.वि.सं.
प्रधान संपादक: डॉ. पी. देवकुमार, अपर आयुक्त (शै.)

संपादक मंडल: बी.के. बेहेरा, उपायुक्त (शै.)
रत्ना पाठक, सहायक शिक्षा अधिकारी
सचिन राठौर, सहायक संपादक

सहभागी: समस्त केन्द्रीय विद्यालय

सभी संभाग अपनी टिप्पणी और विशेष स्टोरी निम्न मेल आईडी पर भेज सकते हैं:
kvschronicle@gmail.com

© केन्द्रीय विद्यालय संगठन
यह ई-प्रकाशन केवल आंतरिक वितरण हेतु के.वि.सं. (मु.) द्वारा प्रकाशित।